सफलता की कहानी

दैनिक मजदूरी कर जीवन बसर कर रही मिसिरहुतान, सिल्ली की चान्दो कुमारी की जीवन का आसरा बना कौशल प्रशिक्षण

संघर्ष ही जीवन की सच्ची परिभाषा है। ऐसे तो मनुष्य अपने जीवन काल में संघर्ष ही करता रहता है। परंतु कभी–कभी संघर्ष की पराकाष्ठा उसे टूटने के लिए मजबूर कर देती है।

ऐसी ही एक कहानी है – मिसिरहुतांग, सिल्ली की चांदो कुमारी की। ग्रामीण परिवेश में जीवन बसर करने वाली चांदो के पिता एक खेतीहर मजदूर है। माँ का साया सर से पहले ही उठ चुका है। गाँव के आस–पास के संपन्न किसानों के खेतों में काम कर जैसे–तैसे जीवन बसर चल रहा था। कुल तीन भाई बहनों में सबसे बड़ी चांदो का बचपन स्कूलो में चलाई जा रही सरकार की मध्याह्न भोजन के माध्यम से भूख मिटाने की कवायद में बीता। इस तरह चांदो ने सरकारी स्कूल से पाँचवी तक की पढ़ाई भी पूरी कर ली। गरीबी से जूझ रहे परिवार की माली हालत के कारण चांदो को भी दिहाड़ी मजदूरी के लिए मजबूर होना पड़ा। जिस उम्र में संपन्न घरों की बेटियाँ स्कूलों और कॉलेजों का रूख करती है, उस उम्र में चांदो अपनी भूख मिटाने के लिए मजदूरी करने लगी।

समय के इसी कालचक्र के बीच झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के प्रशिक्षण प्रदाता संस्था Excel Data Services की नवागढ़, अनगड़ा स्थित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के उत्प्रेरकों ने जुलाई 2019 में चांदो के गांव मिसिरहुतांग में कौशल विकास योजना के प्रचार–प्रसार के लिए सामाजिक जागरूकता का विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से चांदो को दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की विशेषताओं की जानकारी मिली। चांदो को बताया गया कि वह प्रशिक्षण पूरी तरह से निःशुल्क है तथा सरकार के द्वारा आवासीय प्रशिक्षण के दौरान आवासन एवं भोजन का भी कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता। चांदो के लिए यह जानकारियाँ एक सुनहरे अवसर के समान थी।

चांदो ने बिना विलंब किये अपना नामांकन सिलाई मशीन ऑपरेटर ट्रेंड में करवा लिया। अच्छे अवसर का इंतजार कर रही चांदो ने अगस्त 2019 से अक्टूबर 2019 लगभग तीन माह की अवधि का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया।

प्रशिक्षण पूरा करते ही प्रशिक्षण प्रदाता संस्था द्वारा वस्त्र उद्योग क्षेत्र की नामी गिरामी कंपनी नवागिरी अपेरल, तमिलनाडु के प्रतिनिधियों द्वारा जनवरी 2020 में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रम में चांदो का चयन सिलाई मशीन ऑपरेटर के पद पर हो गया। वर्तमान में चांदो नवागिरी अपेरल के तिरूपुर, तमिलनाडु स्थित कंपनी में प्रतिमाह 11,115/– (ग्यारह हजार एक सौ पंद्रह रूपये) के मासिक वेतनमान पर कार्यरत है।चांदो अब मेहनत और लगन से अपने बेहतर भविष्य के लिए पैसे इक्टठे कर रही है।

इस प्रकार चांदो की कहानी उचित अवसर की पहचान कर अपना भविष्य गढ़ने की एक मिसाल है। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से चांदो को उनके उज्जवल भविश्य के लिए अनन्त शुभकामनाएं।

****